चेतक

अति लघु उत्तर लिखिए -

क) चेतक महाराणा प्रताप का घोड़ा था ।

ख) जो तनिक हवा से बाग हिली ,लेकर सवार उड़ जाता था । राणा की पुतली फिरी नहीं , तब तक चेतक मुड़ जाता था ।

लघु उत्तर लिखिए -

क) नदी की लहर की तरह आगे बढ़ते हुए तथा वज्रमय पत्थर के समान कठोर ,वज्ररूपी बादल की तरह घहर कर चेतक ने शत्रुओं की सेना का सामना किया ।

ख) भला और तरकश नीचे गिर गया और उसी पर बढ़ते हुए टापों से चेतक का अंग खंड - खंड हो गया लेकिन चेतक रुका नहीं । चेतक की हिम्मत को देखकर शत्रु सेना दांग रह गई ।

दीर्घ उत्तर लिखिए -

क) चेतक अपने स्वामी महाराणा प्रताप के प्रति इतना वफ़ादार था कि उनके लिए उसने अपने प्राण भी न्योछावर कर दिए । चेतक अत्यंत फुर्तीला था । वह इतना तेज़ दौड़ता था मानो हवा पर सवार हो । चेतक निर्भीक और साहसी था । चेतक के कौशल को देखकर शत्रु भी दांग रह जाते थे ।

ख) राणा प्रताप के घोड़े से हवा का पाला पड़ गया था अर्थात चेतक अपनी फुरती से हवा को भी मात दे देता था । कभी भी राणा का कोड़ा चेतक पर नहीं पड़ा । चेतक इतना फुर्तीला और समझदार था कि फुरती से शत्रुओं के मस्तक पर इस तरह से दौड़ लगाता था मानो आसमान का घोड़ा हो ।